मंगलवार

33 साल से देहरादून का विश्वास

17 जून 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 134
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

पत्नी के हत्यारे ने की आत्महत्या

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। पारिवारिक कलह के चलते एक ई रिक्शा ने आज सुबह अपनी पत्नी की डंडो और सरिया से पीट-पीट कर हत्या कर दी। जिसके बाद उसने खुद को फांसी लगाकर जान दे दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने दोनो शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। इस घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी का माहौल है।

हत्या और आत्महत्या का यह मामला कनखल थाना क्षेत्र के बंसतकुंज जमालपुर में सामने आया है। जानकारी के अनुसार आज सुबह बसंतकुंज जमालपुर निवासी एक व्यक्ति ने थाना कनखल पुलिस को सूचना दी कि उसके पड़ोस में रहने वाले ई रिक्शा चालक ऋषि कुमार निवासी वसंतकुंज जमालपुर कला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है।

सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल जब मौके पर पहुंची तो सामने आया कि घर का मुख्य दरवाजा अंदर से बंद था। कई बार खटखटाने पर भी अंदर से जब कोई नहीं निकला तब पुलिस छत पर पहुंची। जहां कपड़े सुखाने के लिए बांधने वाली तार के लिए लगाए गए लोहे के एंगल से रस्सी के फंदे के सहारे ऋषि कुमार का शव झूल रहा था। पुलिस ने शव को नीचे उतरा।

पुलिस जब नीचे घर में दाखिल हुई तब हैरान रह गई। बेड पर पत्नी वर्षा का भी खून से लथपथ शव पड़ा हुआ था, जिसके सर पर डंडे और सरिया के गहरे निशान थे। मामले में सीओ सिटी शिशुपाल सिंह नेगी ने बताया कि घटनास्थल से प्रतीत हो रहा है कि पति ने पहले अपनी पत्नी की हत्या की है, फिर खुद भी फांसी लगा ली। प्रार्रंभिक पड़ताल में यह भी सामने आया की मृतका पत्नी ने अपनी परिचित एक महिला को सोमवार देर रात फोन कॉल कर उसके घर आने की बात कही थी, लेकिन फिर वह उसके घर नहीं पहुंची। पूरे मामले की छानबीन की जा रही है।

वहीं क्षेत्र में इस घटना को लेकर सनसनी का माहौल बना हुआ है और लोग तरह-तरह की बातें कर रही है। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है पुलिस का कहना है कि प्रारम्भिक जांच में सामने आया है कि यह घरेलू कलह का मामला हो सकता है।

दून वैली मेल

संपादकीय

पर्यटकों की सुरक्षा भी जरूरी

उत्तराखंड में चार धाम यात्राओं के दौरान लगातार घटित होने वाली हेली दुर्घटनाओं पर हाईकोर्ट द्वारा स्वत: संज्ञान लिया जाना और राज्य सरकार को इन दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस नीतियां निर्धारित करने के निर्देश दिया जाना, शासन-प्रशासन की लापरवाही को ही दर्शाता है। राज्य सरकार द्वारा खुद इस मुद्दे को गंभीरता से लिया जाना जरूरी था लेकिन दुर्घटनाएं होती रही लोगों की जाने जाती रही शासन-प्रशासन कभी इन दुर्घटनाओं की जांच कराने के आदेश देने से आगे नहीं बढ़ सका। जबकि राज्य की विषम भौगोलिक परिस्थितियों के मद्देनजर यह अत्यंत ही जरूरी था। हास्यापद बात है कि अभी तक राज्य में जितनी हेली दुर्घटनाएं हुई है और जिनकी जांच के आदेश दिए गए हैं उनमें से किसी एक भी घटना की जांच सामने नहीं आई है और न यह पता चल सका है कि इस जांच के आधार पर सरकार ने क्या कार्रवाई की है। सरकार साल दर साल चार धाम यात्रा और अन्य पर्यटकों की आमद में बनते नए रिकॉर्डो को लेकर तो अपनी पीठ थपथपाती रहती है लेकिन यात्रियों की जान माल की सुरक्षा का वैसा पुख्ता इंतजाम नहीं कर पाती जैसी जरूरत होती है। हर साल विभिन्न कारणों से सैकड़ो की संख्या में यात्रियों की अपनी जान गंवानी पड़ती है। इसमें कोई संदेह की बात नहीं है कि प्राकृतिक आपदाओं पर किसी का कोई नियंत्रण नहीं हो सकता। 2013 में केदारनाथ में हुई भीषण तबाही इसका सबसे बड़ा उदाहरण है लेकिन रोड जाम और हेली दुर्घटनाओं को आपदा की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता है मानवीय चूक या व्यवस्थागत खामियों के कारण किसी एक भी यात्री की जान अगर जाती है उसे नजर अंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उच्च हिमालयी क्षेत्रों में होने वाले मौसम के बदलाव पर अगर गंभीरता से नजर रखी जा सके तो बहुत हद तक यात्रियों को मुश्किलों से बचाया जा सकता है। गौरीकुंड में हुई हेली दुर्घटना का मुख्य कारण मौसम के अपडेट को नजर अंदाज किया जाना तथा नियम कानूनो का उल्लंघन ही कारण के रूप में सामने आ रहा है। राज्य में जो भी कंपनियां हेली सेवा प्रदान कर रही है उनके द्वारा खटारा हेलीकॉप्टरो का इस्तेमाल करने की बात अब तक अनेक बार सामने आ चुकी है लेकिन क्या सरकार द्वारा ऐसी कोई व्यवस्था भी की जा सकती है कि इसे रोका जा पाता। अभी बीते दिनों ऋषिकेश एम्स से जो हेली एंबुलेंस केदारनाथ से एक बीमार महिला को एयरलिफ्ट करने को भेजी गई थी वह हेली पैड पर उतरने से पूर्व ही दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिसमें डॉक्टरों की टीम भी बाल-बाल बच पाई थी। इस एक एम्स एयर एम्बुलेंस के खटारा होने की बात पहले ही दिन से कहीं जा रही है क्योंकि यह अपने पहले ही ट्रायल में फेल साबित हो गई थी देखना यह है कि हाई कोर्ट के द्वारा अब राज्य सरकार को जो भी दिशा निर्देश दिए गए हैं वह राज्य की हेली सेवाओं में कितना सुधार ला पाती हैं तथा यात्रियों को कितना सुरक्षा प्रदान कर पाती हैं। सरकार पर्यटन से होने वाली अपनी कमाई को तभी बढ़ा सकती है जब पर्यटकों को बेहतर सुविधा और सुरक्षा की गारंटी देगी।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फूंका दुष्यंत गौतम का पुतला

देहरादून (सं)। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किशननगर चौक पर महानगर अध्यक्ष डॉ. जसविन्दर सिंह गोगी के नेतृत्व में भाजपा प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम का पुतला फूंका। महानगर अध्यक्ष डॉ जसविंदर सिंह गोगी ने कहा कि ये विरोध प्रदर्शन दुष्यंत गौतम के उस बयान को लेकर था जो उन्होंने केदारनाथ हवाई हादसे के बाद दिया था जिसमे उन्होंने बड़ी ही बेशर्मी से ये कह दिया की मारे गए लोग तो क्या करे दुख है पर क्या आप लोग कोई ऐसा हेलीकॉप्टर बना सकते हैं जिससे दुर्घटना ना हो ये शर्मनाक व्यक्तव्य है। उन्होंने कहा की भाजपा को आम जन की जान से कोई सरोकार नहीं है, जब से चारधाम यात्रा शुरू हुई है चालीस दिन में पाँच हवाई हादसे हो चुके हैं जिसमे दर्जनों लोगो की मृत्यु हुई जिसमे एक 23 महीने का मासूम भी शामिल था। कांग्रेस पार्टी शुरू से ही सरकार को चेता रही है की हेली सेवा प्रदान करने वाली कंपनियों मनमानी कर रही हैं वो मानकों का ध्यान नहीं रख रही हैं, ना ही समय सीमा का ना ही रखरखाव का पर सरकार हठधर्मिता में विपक्ष की बातों को सदैव अनसुना करती है जिसका दुष्परिणाम जानता को भुगतना पड़ता है। हेली सेवा प्रदान करने वाली कंपनियों सिंगल इंजन के हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करती हैं जो पहाड़ी एरिया के लिए बिल्कुल भी अनुकूल नहीं होता है एकल पायलट के होने की वजह से विषम परिस्थितियों में दिक्कत का सामना करना पड़ता है। हवा में हेलीकॉप्टर ऐसे चलते हैं जैसे मैदान में रैपिडो चलती है, उत्तरकाशी में जिस कँपनी का हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हुआ जिसमे 5 लोगों की मृत्यु उस कंपनी पर कोई कार्यवाही नहीं की गई।

14 मूकबधिर अनाथ बालिकाओं को मिला नया आशियाना

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल एवं उनकी कोर टीम के प्रयासों से 14 मूकबधिर अनाथ बालिकाओं को अब उनका नया आशियाना मिल गया है। अब इन बच्चों को सत्य साईं आश्रम से राफेल होम संस्था में शिफ्ट किया गया। ज्ञातब्य है कि सत्य साईं आश्रम अपने निजी एवं आर्थिक कारणों से बन्द हो रहा है तथा बच्चों को संस्था में रखने को असमर्थ था।

मुख्यमंत्री की प्रेरणा से डीएम ने एक ही स्ट्रोक में 14 अनाथ बौद्धिक अक्षम दिव्यांग बालिकाओं को दिलवाया नया उच्च स्तरीय आशियाना दिव्यांग अनाथ बालिकाओं के पुनर्वास की जरूरत पड़ी, प्रशासन को दलबल से हस्तक्षेप करना पड़ा। उच्च अधिकारियों को बालिकाओं संग रेफल होम भेज विधि वत् सेटल कराया। जिला प्रशासन की सख्ताई का असर प्रत्यक्ष;पूर्ण, प्रभावी रहा 14 मूक बधिर बालिकाओं को बंद होने जा रही सत्य साईं आश्रम से राफैल होम संस्था में विधिवत् दाखिल कराया चमबपंससल इसमक बालिकाओं को संस्थाओं द्वारा एडमिशन न देने पर डीएम ने बिठाई थी उच्च स्तरीय जांच। डीएम के तेवर सख्त; कहा पंजीकरण, गारंटी, अन्डरटेकिंग यदि प्रशासन की जिम्मेदारी तो, दिव्यांग असहाय अनाथ बच्चों के शोषण, अधिकारों का हनन अग्राहाय। डीएम ने कहा मानव मूल्य प्रथम; सेवा के नाम पर लिया पंजीकरण, धन उगाई

को कुतंत्र न बनाएं संस्थाएं। साथ ही चेतावनी देते हुए कहा कि जो एक दस्तखत इन संस्थाओं के संचालन पालन हेतु करोड़ों का धन दिलवा सकता है तो दस्तखत शर्तों का अनुपालन करवाने में भी सक्षम है। संस्थाओं का पंजीकरण ध नराशि सहायता की संस्तुति; आपका दस्तखत महज इतिश्री नहीं, उन पर निर्भर है सैकड़ो दिव्यांग असहाय का जीवन। जो नियम कानून नैतिकता से बाहर उन पर प्रशासन प्रहार करने की तैयारी में है।

जिलाधिकारी के संज्ञान में आते जिला प्रशासन ने बालिओं को स्थानान्तरित करने की तैयारी तेज कर दी थी, जिसके फलस्वरूप आज मूकबधिर बच्चों को जिला प्रशासन के वाहन से उनके नए आशियाने राफेल होम संस्था तक पहुंचाया गया। संस्था द्वारा बच्चों की पढ़ाई एवं भोजन की व्यवस्था संस्था द्वारा वहन की जाएगी। जिलाधिकारी ने अपनी कोर टीम मुख्य विकास अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में जो संस्थाएं कार्य कर रही है उनको जिला प्रशासन द्वारा हर संभव सहायता की जाएगी। उन्होंने संस्थाओं से अनुरोध किया कि संस्थाएं रजिस्ट्रेशन के समय पर जो सुविधा फैसिलिटी स्टॉफ दर्शाते हैं वह हर समय रहना चाहिए, जिला प्रशासन से जो भी सहयोग की अपेक्षा होगी जिला प्रशासन इसके लिए सदैव तत्पर है।

बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती नमिता ममगाईं ने बताया कि डीएम के प्रयास से जरूरतमंद बच्चों के जीवन को नई दिशा मिल रही है। उन्होंने जिलाधिकारी के असहाय दिव्यांग, बजुर्ग, महिलाओं के उत्थान हेतु किए जा रहे प्रयासों की सरहाना की। इससे पूर्व समाज कल्याण विभाग में दिव्व्यांग कल्याण को पजीकृत संस्थाओं द्वारा जिले की दिव्यांग बालिकाओं को सेन्टर में दाखिला न दिए जाने का ताजा मामला प्रकाश में आया

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

उक्रांद ने आयुक्त से राशन कार्ड अनियमितताओं पर की वार्ता

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड क्रांति दल के प्रतिनिधिमंडल ने आयुक्त एसपी पांगती से राशन कार्ड में हो रही विभिन्न अनियमितताओं के विषय में वार्ता की।

आज उक्रांद की केंद्रीय महामंत्री किरन रावत के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने आयुक्त एस सी पंगती से राशन कार्ड में हो रही विभिन्न अनियमितताओं के विषय में वार्ता की।

किरन रावत ने कहा कि उत्तराखण्ड में आपूर्ति के सापेक्ष वितरण में अनियमितताओं की शिकायतें विभिन्न स्तर पर प्राप्त हो रही है। जरूरत मंदो के लिए सफेद राशन कार्ड पर राशन वितरण समुचित तरीके से नही मिल पा रहा है जबकि सफेद राशन कार्ड का फायदा वो लोग उठा रहे है जिनके घर में चौपहिया वाहन खडे है। जो लोग आपत्र , संदिग्ध बड़ी संख्या में है उन सभी के तत्काल राषन कार्ड बन रहे है जिसके आधार पर वह लोग अन्य सभी महत्पूर्ण दस्तावेज बनवा लेते है। जो राज्य हित में भविष्य में बहुत बड़ा खतरा है लोग राशन कार्ड से राशन तो लेते नही अपितु आयुष्मान में ईलाज के लिए बनवाते है। और राशन विक्रेता उस राशन को बाजार में मन चाहे दामों में बेच रहा है जिससे सरकार को बहुत बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है।

उत्तराखण्ड में निम्न गुणवत्ता की खाद्यान सामग्री आपूर्ति की जा रही है। हमारे गोदामों में खाद्यान को सुरक्षित

रखने के लिए समुचित व्यवस्था नहीं है जिससे की बहुत सारा राशन खराब हो जाता है।

वर्तमान में बरसात का मौसम आने वाला है उस दशा में खाद्यान का रख - रखाव एंव आपूर्ति के लिए संवेदनषील होना अति आवश्यक है। उत्तराखण्ड क्रांति दल मानना है, कि हमें अपनी आपूर्ति के सापेक्ष वितरण को पारदर्षिता पूर्ण करने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने की आवश्यकता है। जैसा कि वर्तमान में यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि वन नेशन वन कार्ड के आधार पर ऑनलाईन वितरण प्रणाली का लेखा-जोखा उत्तराखण्ड सरकार रखेगी और उसका केन्द्र स्तर पर भी निरिक्षण किया जायेगा। किन्तु इस योजना में अभी बहुत से जोखिम बाकी है। जबतक देश के सभी नागरिकों को उनकी ऑनलाईन पहचान सुनिश्चित नही की जाती तब तक खाद्यान वितरण प्रणाली को वन नेशन वन कार्ड के आधार पर ऑनलाईन किया जाना बेमानी है। हाल ही में उत्तर प्रदेश में खाद्यान आपूर्ति एवं वितरण में माफियाओं का गठजोड सामने आया है और जांच में आया है कि उन माफियाओं के सम्पर्क उत्तराखण्ड से भी जुडे हुए है। उत्तराखण्ड क्रांति दल स्पष्ट तौर पर मांग करता है कि उक्त सभी समस्याओं पर तत्काल विचार करके राशन कार्ड बनाने की प्रक्रिया को सरल और राज्य हित में पारदर्षी बनाया जाये।

ज्ञापन देने वालों में केंद्रीय महामंत्री राजेश्वरी रावत, निवर्तमान युवा अध्यक्ष राजेंद्र बिष्ट, प्रवीण रमोला, केंद्रीय कोषाध्यक्ष प्रताप कुंवर सिंह, महानगर अध्यक्ष विजेंद्र सिंह रावत, कार्यालय प्रभारी अशोक नेगी, महानगर उपाध्यक्ष रामकुमार शंकधर, गौरव, योगेश आदि उपस्थित रहे।

एक स्कार्फ को 5 अलग-अलग तरीकों से पहनने से मिल सकता है नया लुक, जानिए कैसे

स्कार्फ एक ऐसी फैशन एक्सेसरीज है, जो हर महिला की अलमारी में होती है। यह न केवल मुंह को ढकने के काम आता है, बल्कि इसे पहनने के कई तरीके लुक को स्टाइलिश भी बनाते हैं।

इस लेख में हम आपको एक ही स्कार्फ को अलग-अलग तरीकों से पहनने के बारे में बताएंगे। ये तरीके न केवल आसान हैं, बल्कि आपके लुक को भी खास बना देंगे। इन तरीकों को अपनाकर आप हर बार नया लुक पा सकती हैं।

गर्दन के चारों ओर बांधें

गर्दन के चारों ओर बांधना सबसे सरल और आम तरीका है। इसके लिए आप अपने पसंदीदा स्कार्फ को अपनी गर्दन के चारों ओर लपेट सकती हैं।

यह तरीका ऑफिस या किसी खास मौके पर जाने के लिए बहुत अच्छा रहता है। इसे बांधते समय ध्यान रखें कि स्कार्फ का एक सिरा थोड़ा लंबा रखें ताकि आप उसे बाद में पिन या क्लिप से सुरक्षित कर सकें। इससे आपका लुक और भी आकर्षक लगेगा।

सिर पर बांधें

अगर आप अपने बालों को स्टाइलिश दिखाना चाहती हैं तो स्कार्फ को अपने सिर पर बांध सकती हैं।

इसके लिए सबसे पहले स्कार्फ को लंबाई में मोड़ें, फिर इसे अपने सिर पर बांधें। आप चाहें तो इसे चोटी या पोनीटेल के ऊपर बांध सकती हैं।

यह तरीका आपके बालों को अलग और खास लुक देगा। इसके अलावा यह आपके सिर को धूप से बचाने का भी काम करेगा, जिससे आप आरामदायक महसूस करेंगी।

कमर पर बांधें

कमर पर बांधा हुआ स्कार्फ आपके लुक को एक नया अंदाज देता है। इसके लिए सबसे पहले स्कार्फ को लंबाई में मोड़ें, फिर इसे अपनी कमर के चारों ओर लपेटें और नॉट बनाएं।

यह तरीका खासतौर पर तब अच्छा लगता है जब आप फ्लोई टॉप या कुर्ते के साथ पहनती हैं। इससे आपकी कमर और भी खूबसूरत लगेगी और आपका पूरा लुक खास बन जाएगा।

इसके अलावा यह आपके पहनावे को एक नया आयाम देता है।

बैग के हैंडल पर बांधें

अगर आप अपने बैग को अलग अंदाज में कैरी करना चाहती हैं तो स्कार्फ का इस्तेमाल कर सकती हैं।

इसके लिए सबसे पहले स्कार्फ को लंबाई में मोड़ें, फिर इसे अपने बैग के हैंडल्स पर बांधें। इससे आपका बैग और भी आकर्षक लगेगा और लोग आपकी इस क्रिएटिविटी की तारीफ करेंगे।

यह तरीका आपके बैग को एक नया लुक देगा और इसे और भी खास बनाएगा, जिससे आपका पूरा लुक और भी खूबसूरत लगेगा।

फ्रेंच नॉट बनाएं

फ्रेंच नॉट बनाना थोड़ा मुश्किल लग सकता है, लेकिन एक बार सीख जाने पर यह आसान हो जाता है।

इसके लिए सबसे पहले स्कार्फ को लंबाई में मोड़ें, फिर इसे अपनी गर्दन पर लपेटें और नॉट बनाएं। यह तरीका खासतौर पर तब अच्छा लगता है जब आप किसी पार्टी या खास मौके पर जा रही हों।

इन सभी तरीकों को अपनाकर आप अपने एक ही स्कार्फ से कई अलग-अलग लुक पा सकती हैं। (आरएनएस)

डेंगू का सहीं समय पर उपचार जरूरी

गर्मी व बारिश के मौसम में मच्छर बढ़ने से डेंगू का खतरा बना रहता है। इसलिए डेंगू से बचने मच्छरों से बचाव करें। डेंगू मादा एडीज इजिप्टी मच्छर के काटने से होता है। डेंगू के मच्छर सुबह के समय काटते हैं। डेंगू बुखार में रक्त में मौजूद प्लेटलेट्स तेजी से घटने लगते हैं। शुरुआत में डेंगू बुखार के लक्षणों को पहचानना मुश्किल होता है। 3 से 4 दिन के बाद इसकी पहचान आसानी से की जा सकती है। डेंगू बुखार का सहीं समय पर उपचार नहीं किया गया तो यह जानलेवा साबित होता है। डेंगू से बचने के लिए आराम करने पेय पदार्थ पीने की सलाह दी जाती है। इसके साथ ही आप डेंगू से बचने के लिए घरेलू उपाय भी कर सकते हैं।

डेंगू बुखार के लक्षण:

ठंड लगने के बाद अचानक तेज बुखार चढ़ जाता है। सिर, मांसपेशियों, गले और जोड़ों में तेज दर्द होता है। आंखों के पिछले हिस्से में दर्द होता है। कमजोरी लगने के साथ भूख न लगना, जी मितलाना और मुंह का स्वाद खराब होने जैसी समस्याएं हो जाती हैं। चेहरे, गर्दन और छाती पर लाल-गुलाबी रंग के रैशेज हो जाते हैं।

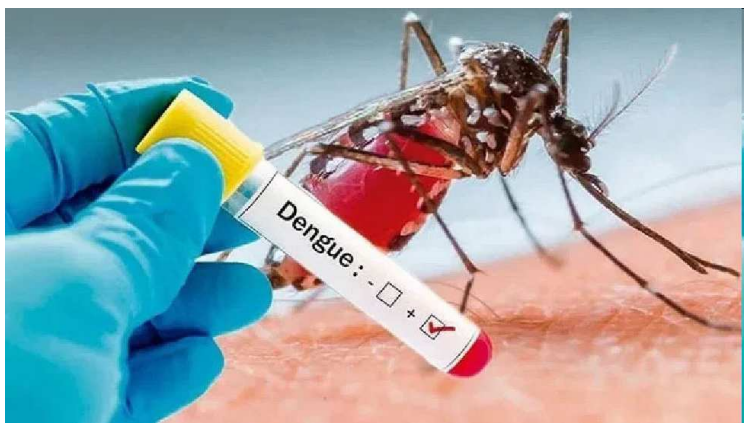

घरेलू उपचार:

पपीता- पपीता का सेवन करने प्लेटलेट्स तेजी से बढ़ती हैं। इसके अलावा पपीता पाचन क्रिया को भी ठीक रखता है। आप पपीते की पत्तियों को कूट कर खा सकते हैं या फिर इनका रस बनाकर पी सकते हैं।

नारियल पानी- डेंगू के बुखार में नारियल पानी बहुत फायदा करता है। नारियल पानी में काफी मिनरल्स मौजूद होते हैं। जो हमारे शरीर को मजबूत करता हैं। इसलिए डेंगू के बुखार में नारियल पानी अधिक से अधिक पीना चाहिए।

तुलसी- डेंगू के बुखार में तुलसी के पत्तों काली मिर्च के साथ गर्म पानी में उबालकर पीना चाहिए। तुलसी के पत्तों में शरीर की रोग प्रतिरोधक बेहतर करने की क्षमता होती है। इसे दिन में कई बार पी सकते हैं।

मेथी- मेथी की पत्तियां उबालकर चाय बनाकर पीने से डेंगू के बुखार में असरकारक होती हैं। मेथी की पत्तियां शरीर से विषाक्त पदार्थ बाहर निकलती हैं। ऐसा होने से डेंगू का वायरस शरीर से निकल जाता है। घर के आसपास कहीं भी पानी इकट्ठा ना होने दें। डेंगू मच्छर अधिकतर साफ पानी में ही होते हैं। खुद और बच्चों को भी पूरे बाजू के कपड़े पहनने की सलाह दें और रात को सोते वक्त मच्छरदानी का प्रयोग करें। दिन में भी सावधान रहें। कीटनाशक दवाओं का नियमित इस्तेमाल करें।

हेयर कट कराने जा रही हैं? तो इन बातों पर जरूर ध्यान दें

आमतौर पर सभी महिलाएं कुछ महीनों के अंतराल में अपनी हेयर स्टाइल से बोर होकर उसे बदलने का सोचती हैं। ये और भी जरूरी हो जाता है जब कोई तीज-त्योहार जैसा अवसर आने वाले होता है, क्योंकि अपनो के बीच में खूबसूरत दिखना कौन नहीं चाहता। लेकिन क्या हो अगर सही हेयर कट चुनने में हो जाए आपसे कोई गलती? ऐसा ना हो इसलिए जानिए 5 काम की बातें -

गलत हेयरकट न हो जाए :

बालों को कटवाने से पहले हेयर स्टाइलिस्ट से जरूर पूछें कि आपके फेस पर कौन सा हेयर स्टाइल अच्छा लगेगा। उस हेयरस्टाइल का सैंपल उन्हें दिखाने को कहें और उसके बाद ही वैसे हेयरकट लें।

2 गलत हेयर कलर न हो जाए :

अपकी स्किन टोन के अनुसार ही बालों में कलर करवाएं। आमतौर पर भारतीय महिलाओं पर चमकदार रेड, बरगंडी और कॉपर रेड कलर अच्छे लगते है।

समय-समय पर हेयरकट करवाना न भूलें:

बालों को स्वस्थ रखने के लिए हर 6 महीने में उन्हें ट्रिम करवाते रहें। इससे वे कमजोर होकर नीचे से दो मुंहे नहीं होंगे।

4 बालों की वॉल्यूम के हिसाब से लें हेयरकट :

अगर आपके बाल बहुत पतले हैं तो भूलकर भी लेजर कट न करवाएं, क्योंकि ये कट बालों को और भी ज्यादा पतला और कम दिखाएगा। पतले बालों के लिए लेयर कट करवाएं, इनसे बालों में वौल्यूम आएगा और वे घने दिखेंगे।

5 चिपचिपा हेयर प्रोडक्ट :

पतले बालों में कभी भी चिपचिपा हेयर प्रोडक्ट न लगाएं।

रंग निखारने के लिए ऐसे करें बेकिंग सोडा का इस्तेमाल

बेकिंग सोडा का इस्तेमाल आमतौर पर खाने में किया जाता है। राजमा, छोले या चने भिगोते वक्त भी उसमें बेकिंग सोडा उपयोग में लाया जाता है। इससे वे जल्दी फूल जाते हैं। लेकिन इसका इस्तेमाल चेहरे की खूबसरती बढ़ाने के लिए भी किया जाता है। सबसे पहले तो जानते हैं कि बेकिंग सोडा चेहरे के लिए कैसे फायदेमंद है।

1- बेकिंग सोडा स्किन का ग्लो बरकार रखने में मदद करता है। इसके अलावा यह कील-मुंहासे दूर करने में भी मदद करता है।

2- स्किन पर अगर फंगल या बैक्टीरियल इंफेक्शन हो जाए तो इसमें भी बेकिंग सोडा मदद करता है। यही नहीं यह सनबर्न और सन टैन को भी दूर करने में मदद करता है।

3- बेकिंग सोडा को एक बढ़िया एक्सफोलिएटर माना जाता है। यह चेहरे से डेड स्किन को रिमूव कर उसे यंग बनाता है।

4- इसमें ऐंटी-बैक्टीरियल प्रॉपर्टीज भी होती हैं जो फिर से चेहरे पर कील-मुंहासे नहीं पनपने देतीं। इसमें ब्लीचिंग प्रॉपर्टीज भी होती हैं और इसी वजह से बेकिंग सोडा को स्किन लाइटनिंग के लिए परफेक्ट माना जाता है।

गोरी रंगते के लिए ऐसे करें बेकिंग सोडा का इस्तेमाल

बेकिंग सोडा में नींबू का रस मिलाकर लगाने से फायदा होता है। इसके लिए 2 चम्मच बेकिंग सोडा लें और उसमें एक नींबू का रस निचोड़कर मिक्स कर लें। अब इसे चेहरे पर अच्छी तरह से लगाएं। ध्यान रहे कि यह आंखों या नाक के अंदर न जाए। 15 मिनट तक ऐसे ही रहने दें और फिर हाथ से मलते हुए ठंडे पानी से चेहरा धो लें।

चेहरे पर ग्लो के लिए

चेहरे पर ग्लो चाहिए तो इसके लिए बेकिंग सोडा को ऑरेंज जूस में मिलाकर 15 मिनट तक छोड़ दें और फिर पानी से धोएं। हफ्ते में एक बार ऐसा करने से चेहरे का ग्लो बरकरार रहता है।

मुंहासे दूर करने के लिए

बेकिंग सोडा को पानी में मिलाकर मुंहासों वाले हिस्से पर लगाने से इसमें फायदा होगा।

15 मिनट लगने के बाद हल्के गुनगुने पानी से मुंह धो लें। हफ्ते में दो बार ऐसा करिए और कुछ ही हफ्तों में आपको फायदा दिखने लगेगा।

भारत और फ्रांस के बीच गहराते मतभेद

प्रमोद भार्गव

फ्रांस की फ्रांसीसी डिफेंस कंपनी डसॉल्ट एविएशन भारत को राफेल लड़ाकू विमान का कूट संकेत (सोर्स कोड) देने को तैयार नहीं है। कूट संकेत को नहीं देने से भारत और फ्रांस के बीच मतभेद गहराते जा रहे हैं।

भारत की इच्छा थी कि इस कूट तकनीक के मिलने के बाद भारत अपनी ब्रह्मोस जैसी स्वदेशी मिसाइलें और अन्य रक्षा पणालियां राफेल में जोड़ कर उन्हें बहुआयामी रूपों में इस्तेमाल कर लेगा। लेकिन कूट संकेत के बिना यह संभव नहीं है। इस कारण राफेल सौदा निरस्त भी हो सकता है।

एक समय था जब फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी खूब गलबहियां डाले दिखाई देते थे। अब उसी फ्रांस ने भारत को कूट संकेत देने से मुंह फेर लिया है। यह सोर्स कोड मूल रूप में सॉफ्टवेयर होता है। इससे पहले भी भारत के स्वदेशी लड़ाकू विमान इंजन कावेरी के लिए फ्रांसीसी कंपनी ने भारत को मदद करने से मना कर दिया था। किसी भी विमान या कंप्यूटर आधारित संचार प्रणाली से जुड़े विमान या उपकरण के लिए कूट संकेत प्रोग्रामर द्वारा तैयार किया जाता है। इसी के दर्ज होने पर कंप्यूटर प्रक्रिया को आगे बढ़ाता है यानी कंप्यूटर कूट संकेत या सोर्स कोड किसी भी कंप्यूटर प्रोग्राम की नींव होता है।

दरअसल, प्रोग्रामर का सोर्स कोड निर्देशों का ऐसा समूह होता है, जो प्रोग्राम को संचालित करने का काम करता है। सोर्स कोर्ड लिखने की प्रक्रिया को आम तौर पर कोडिंग या प्रोग्रामिंग कहते हैं। इसी कोड को फ्रांस ने देने से मना कर दिया है। नतीजतन, भारत ने फ्रांस से जिन 26 राफेल मरीन विमानों की खरीद का सौदा करने की तैयारी की है, यदि वह इन विमानों को खरीद लेता है तो इस कोड के बिना राफेल में ब्रह्मोस मिसाइल और अन्य स्वदेशी हथियारों की संचालन प्रक्रिया राफेल में लोड नहीं कर पाएगा। तब ये हथियार चलाए ही नहीं जा सकेंगे। राफेल से वही हथियार चलाए जा सकेंगे, जो फ्रांस से खरीदे जाएंगे।

फ्रांस संभवतः यह तकनीक इसीलिए नहीं दे रहा है कि भारत की मजबूरी फ्रांस से हथियार खरीदने की बनी रहे। यह सौदा टूटता है तो भारत इसकी जगह रूस के एसयू-57 लड़ाकू विमान खरीद सकता है। रूस विमान के साथ कूट संकेत देने को राजी है। अतएव भारत अपनी मिसाइल और अन्य मारक हथियारों को इस विमान से शत्रु पर दाग सकता है। इस नाते भारत स्वदेशी हथियारों के निर्माण में आगे बढ़ेगा। अपने हथियारों को विदेशी बाजार में बेचने को भी स्वतंत्र रहेगा। भारत सरकार की मंशा स्वदेशी रक्षा उपकरणों के निर्माण को बढ़ावा देना भी है। इस दृष्टि से भारत ने अपनी वायुसेना के लिए पांचवीं पीढ़ी के आधुनिक डीप पेनिट्रेशन एडवांस मीडियम काम्बैट एयरक्रॉप्ट (एएमसीए) को स्वदेश में ही विकसित करने की बड़ी परियोजना पर काम करना शुरू कर दिया है।

इस परियोजना को अंजाम देने का काम सरकारी और निजी कंपनियों की संयुक्त भागीदारी से आगे बढ़ेगा और पांचवीं पीढ़ी के आधुनिक लड़ाकू विमानों के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। वस्तुतः सुरक्षा मामलों की केंद्रीय कैबिनेट समिति (सीसीएस) सरकार से सरकार के बीच सौदे के तहत 64 करोड़ रु पये की लागत से भारतीय नौसेना के लिए फ्रांस से 26 राफेल-एम (मैरी टाइम) विमानों की खरीद को अंतिम रूप दे चुकी है। इन्हें विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर सुरक्षा के लिए खरीदा जा रहा था।

इनमें एक सीट वाले 22 और दो सीट वाले 4 लड़ाकू विमान खरीदे जाते। इस खरीद में फ्रांस सरकार की ओर से नौसेना के लिए हथियार, सिम्युलेटर, कलपुर्जे, सहायक उपकरण, स्पेयर पार्टस और पायलटों को प्रशिक्षण भी दिया जाना शामिल था। राफेल एम विमानों के अनुबंध पर हस्ताक्षर होने के बाद 37 से 65 महीनों के भीतर सप्लाई होनी थी यानी विमानों की आपूर्ति 2030-31 के भीतर हो जाएगी। फ्रांस से भारत ने 36 पूर्व में भी राफेल विमान खरीदे जा चुके हैं। लेकिन कूट संकेत नहीं देने के कारण यह सौदा निरस्ती के कगार पर पहुंच गया है।

हिन्द महासागर क्षेत्र में चीन वर्चस्व बढ़ाने में लगा है। इसलिए अब भारत रूसी लड़ाकू विमान एसयू-57 खरीदने का विचार कर रहा है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन एसयू-57 लड़ाकू विमान की प्रौद्योगिकी और सोर्स कोड भारत को देने को तैयार हैं। यदि भारत सरकार रूस से विमान खरीदती है, तो रूसी कंपनी का दावा है कि वह एसयू-30 विमान उत्पादन ईकाई से ही इसी साल एसयू-57 लड़ाकू विमानों का उत्पादन भारत में शुरू कर देगी।

अभी तक पश्चिमी देशों की तुलना में रूस ही है जो भारत का सबसे भरोसेमंद दोस्त रहा है। 1971 में पाकिस्तान से हुए युद्ध में रूस ने अपना जहाजी बेड़ा भारतीय समुद्र में भेज कर भारत का आत्मबल बढ़ाया था। फलतः भारत ने न केवल पाकिस्तान का भूगोल बिगाड़ कर नया देश बांग्लादेश बनवाया बल्कि 93 हजार पाकिस्तानी सैनिकों के हथियार डलवा कर दुनिया का सबसे बड़ा सैनिक समर्पण भी कराया। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

क्या आप इन सब्जियों का जूस बनाकर पीते हैं? जानें इनका सेवन करना चाहिए या नहीं

आजकल कई लोग अपने स्वास्थ्य को लेकर काफी जागरूक हो गए हैं। इस कारण कई लोग अपने खाने में हरी सब्जियों को शामिल करने लगे हैं। आमतौर पर हरी सब्जियों का जूस पीने की सलाह दी जाती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ ऐसी सब्जियां भी होती हैं, जिनका जूस बनाकर पीना सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। आइए आज हम आपको पांच ऐसी सब्जियों के बारे में बताते हैं, जिनका जूस नहीं पीना चाहिए।

पालक

पालक एक ऐसी सब्जी है, जो आमतौर पर सूप या सब्जी के रूप में खाई जाती है। हालांकि, इसका जूस न पीएं। इसका कारण है कि पालक में एक विशेष तत्व की अधिक मात्रा होती है, जो किडनी में पथरी का कारण बन सकता है। अगर आप पालक का जूस बनाकर पीते हैं तो इससे इस तत्व की मात्रा बढ़ सकती है, जिससे किडनी पर दबाव पड़ता है और पथरी का खतरा बढ़ सकता है।

चुकंदर

चुकंदर में एक तत्व की अधिक मात्रा होती है, जो शरीर में एक विशेष तत्व का निर्माण करती है।

यह तत्व रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है, लेकिन चुकंदर का जूस पीने से रक्तचाप अचानक बढ़ सकता है, जिससे चक्कर आने या सिरदर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इस वजह से चुकंदर का जूस पीने से बचना चाहिए और इसकी बजाय सलाद में इसका सेवन करना चाहिए।

केल

केल एक प्रकार की पत्तेदार सब्जी होती हैं, जिनमें विटामिन और कैल्शियम की अधिक मात्रा होती है।

हालांकि, केल का जूस बनाकर पीना भी सही नहीं होता क्योंकि इनमें एक विशेष तत्व की मात्रा अधिक होती है, जो किडनी में पथरी का कारण बन सकती है।

केल का जूस बनाने से इस तत्व की मात्रा बढ़ सकती है, जिससे किडनी पर दबाव पड़ता है और पथरी का खतरा बढ़ सकता है।

अरुगुला

अरुगुला एक हरी पत्तेदार सब्जी होती है, जिसमें एक विशेष तत्व की अधिक मात्रा होती है।

इसका जूस बनाने से भी इस तत्व की मात्रा बढ़ सकती है, जिससे रक्तचाप अचानक बढ़ सकता है और सिरदर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

अरुगुला का जूस बनाने से बचना चाहिए। इसके बजाय आप इसकी सलाद बना सकते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है और आपके रक्तचाप को नियंत्रित रखने में मदद कर सकता है।

ब्रोकोली

ब्रोकोली एक पौष्टिक सब्जी होती है, जिसमें विटामिन की अधिक मात्रा होती है। हालांकि, इसका जूस बनाने से पेट पर दबाव पड़ सकता है, जिससे गैस्ट्रिक समस्याएं हो सकती हैं। ब्रोकोली का जूस बनाने से बचना चाहिए। इसके बजाय आप इसकी सब्जी बना सकते हैं या सलाद में शामिल कर सकते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है और आपके पेट को प्रभावित नहीं करेगा। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -71

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे

1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

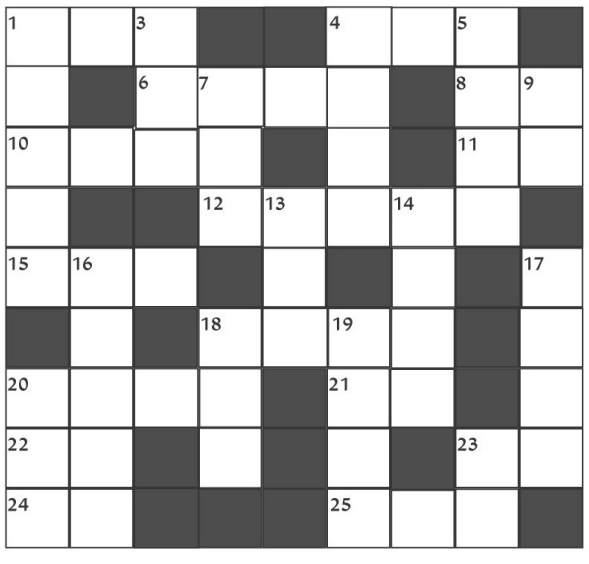

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 70 का हल

स्मृ	ति	■	पा	व	क	■	बे	ल
■	र	ज	नी	च	र	■	■	ट्टू
मु	स्का	न	■	न	म	की	न	■
सा	र	■	स	■	■	ट	ख	ना
फि	■	अ	जा	य	ब	■	रा	जा
र	च	ना	■	था	ल	■	■	य
■	■	धि	■	र्थ	■	स	मा	ज
उ	प	कृ	त	■	आ	वा	ज	■
ल्लू	■	त	■	■	ब	ल	रा	म

एकता कपूर ने नेटफ्लिक्स से मिलाया हाथ!

एकता कपूर उन भारतीय निर्माताओं में शुमार हैं, जिन्होंने न सिर्फ टीवी, बल्कि फिल्मों और ओटीटी तक पर खूब नाम कमाया है। 19 साल की उम्र में अपना पहला धारावाहिक हम पांच बनाने वाली और एमी पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय फिल्म निर्माता एकता ने टीवी और फिल्मी दुनिया में अपना बड़ा योगदान दिया है।

अब एकता की बालाजी टेलीफिल्म्स ने कहानियों को रचनात्मक ढंग से पेश करने के लिए ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स से हाथ मिलाया है।

बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड और नेटफ्लिक्स कहानियों को अलग-अलग जॉनर में रचनात्मक तरीके से पेश करेंगे।

एकता ने कहा, बालाजी टेलीफिल्म्स में कहानी सुनाना हमेशा से ही हमारे हर काम के केंद्र में रहा है, चाहे वो सिनेमा हो, टेलीविजन हो या डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए हो। नेटफ्लिक्स के साथ आना हमारे लिए बड़ा मौका है।

एकता के मुताबिक, इस साझेदारी के जरिए वह ऐसा क्रिएटिव कंटेंट पेश करेंगी, जो मनोरंजन करेगा, प्रेरित करेगा और हर जगह से लोगों को जोड़ेगा।

इस सहयोग के बारे में नेटफ्लिक्स इंडिया के कंटेट टीम की उपाध्यक्ष मोनिका शेरगिल ने कहा, एकता मनोरंजन की दुनिया में एक प्रभावशाली व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने दो दशकों से अधिक समय से भारत में देखे जाने वाले और पसंद किए जाने वाले शो को एक अलग पहचान दिलाई। नेटफ्लिक्स के जरिए उन्होंने अलग-अलग उम्र के दर्शकों का मनोरंजन किया है। अब इस सहयोग से अनूठी कहानियों को शानदार तरीकों से पेश किया जाएगा, जो एक रचनात्मक सफर की शुरुआत होगी।

एकता ने नेटफ्लिक्स के लिए इससे पहले कई फिल्में बनाई हैं। इसकी शुरुआत फिल्म डॉली किट्टी और वो चमकते सितारे से हुई थी, जो साल 2020 में रिलीज हुई थी। इसमें कोंकणा सेन और भूमि पेडनेकर मुख्य भूमिका में थीं।

इसके बाद साल 2021 में एकता नेटफ्लिक्स पर सान्या मल्होत्रा अभिनीत पगलैट लेकर आईं।

साल 2023 में एकता के प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनी कटहल और करीना कपूर की फिल्म जाने जान भी नेटफ्लिक्स पर ही रिलीज हुई थीं।

एकता ने एक्टिंग को अपना करियर नहीं बनाया, लेकिन अपने काम से कई कलाकारों को स्टार बना दिया।

इन दिनों जहां वह अपनी चर्चित टीवी सीरीज नागिन के सातवें भाग नागिन 7 में व्यस्त हैं, वहीं उनकी कई फिल्में कतार में हैं।

एक ओर वह मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल की फिल्म वृषभ से बतौर निर्माता जुड़ी हैं तो दूसरी ओर अक्षय कुमार के साथ भूत बंगला लेकर आ रही हैं। श्रद्धा कपूर के साथ भी उनकी एक फिल्म आने वाली है।(आरएनएस)

दिलजीत दोसांझ की फिल्म सरदार जी 27 जून को होगी रिलीज

पंजाबी सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म सरदार जी 3 का मोशन पोस्टर रिलीज़ कर फैन्स के बीच रोमांच की लहर दौड़ा दीहै। सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर करते हुए दिलजीत ने लिखा-जिन्हें देख भूत थर-थर कांपें और चुड़ैलें किस्से मांगें, जग्गी जी आ रहे हैं 27 जून 2025 को। टीज़र जल्द आ रहा है। प्यार, हंसी और रोंगटे-इस बार ट्रिपल पागलपन के साथ!

पोस्टर में दिलजीत अपने किरदार जग्गी के अंदाज में पूरे कॉन्फिडेंस के साथ नजर आ रहे हैं, उनके आसपास परंपरागत घूंघट में रहस्यमयी महिलाएंखड़ी हैं-जो फिल्म की खास शैली, यानी कॉमेडी, रोमांस और अलौकिक हलचल का संकेत दे रही हैं।

सरदार जी फ्रेंचाइज़ी पंजाबी सिनेमा में एक संवेदनशील मील का पत्थर मानी जाती है। 2015 में रोहित जुगराज के निर्देशन में बनी पहली फिल्म नेबॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ सफलता हासिल की थी और इसके बाद 2016 में आई सरदार जी 2 ने इस सिलसिले को आगे बढ़ाया। अब लगभगएक दशक बाद, दिलजीत का लोकप्रिय घोस्टबस्टर किरदार जग्गी फिर से दर्शकों से मिलने आ रहा है-इस बार निर्देशक अमर हुंडल की अगुआई में।

हालांकि फिल्म की कहानी को लेकर अभी तक ज़्यादा खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन दिलजीत ने वादा किया है कि यह फिल्म होगी प्यार, हंसी औररोंगटे खड़े कर देने वाले पलों से भरपूर। खास बात ये भी है कि इस बार फिर से नीरू बाजवा फ्रेंचाइज़ी में लौट रही हैं-जिनकी और दिलजीत कीकेमिस्ट्री पहले दो भागों की बड़ी ताकत रही है।

27 जून 2025 को दुनियाभर में रिलीज़ होने जा रही सरदार जी 3 को लेकर फैन्स में जबरदस्त उत्साह है। मोशन पोस्टर पहले ही सोशल मीडिया परट्रेंड कर रहा है, और जल्द आने वाला टीज़र इस इंतज़ार को और बढ़ाएगा। हंसी, दिल और डर का अनोखा संगम लेकर जग्गी जी फिर से तैयार हैं, दर्शकों को एक बार फिर पूरा इंटरटेनमेंट तूफान देने के लिए। (आरएनएस)

तीन साल बाद सिनेमाघरों में लौटेंगी काजोल

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल फिल्म मां को लेकर खूब चर्चाओं में हैं। इस कड़ी में उन्होंने फिल्म का एक और पोस्टर इंस्टाग्राम पर जारी कर दिया है। पोस्टर काफी खौफनाक है। पोस्टर में काजोल और उनकी ऑनस्क्रीन बेटी एक कार के अंदर बैठी नजर आ रही हैं। दोनों के चेहरों पर डर और खौफ साफ देखने को मिल रहा है। कार के आगे के शीशे का कांच टूटा पड़ा है और उस पर कई सारे दानव के हाथ नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर पर लाल रंग में रक्षक, भक्षक और मां लिखा हुआ है। इस पोस्टर को जारी करते हुए काजोल ने कैप्शन में लिखा, पहिए घूम रहे हैं, लेकिन जड़ें पकड़ बना रही हैं। उनकी यह फिल्म 27 जून, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

पहिए घूम रहे हैं का मतलब है कि कहानी आगे बढ़ रही है और जड़ें पकड़ बना रही हैं का मतलब है कि कहानी गहराई से जुड़ रही है।

इससे पहले काजोल ने फिल्म का एक डरावना पोस्टर शेयर किया था। इस पोस्टर में काजोल और एक शैतान नजर आया, जिसकी लाल आंखें चमक रही हैं और शरीर बेहद डरावना है। दोनों एक-दूसरे पर चिल्लाते हुए नजर आ रहे थे। बैकग्राउंड में आकाशीय बिजली चमकती नजर आई। कुल मिलाकर पोस्टर काफी डरावना था। पोस्टर में दमदार ऑडियो सुनाई दिया। यह ऑडियो काफी जोशीला है। ऐसा लगता है काजोल शैतान से लड़ने को पूरी तरह तैयार हैं।

फिल्म का निर्देशन विशाल फुरिया ने किया है। वह छोरी और छोरी 2 जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।

फिल्म मां को अजय देवगन और ज्योति देशपांडे प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म में काजोल के अलावा इंद्रनील सेनगुप्ता, रोनित रॉय और जितिन गुलाटी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

यह एक महिला की कहानी है, जो अपनी बेटी को बुरी ताकतों से बचाने के लिए किसी भी हद तक जाती है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो काजोल की झोली में एक्शन थ्रिलर फिल्म महारागनी- क्वीन ऑफ क्वींस है, जिसका निर्देशन चरण तेज उप्पलपति ने किया है। इस फिल्म में काजोल के साथ प्रभु देवा भी नजर आएंगे। बता दें कि दोनों ने पहले भी साथ में काम किया था। 1997 में तमिल फिल्म मिनसारा कनवु में प्रभु देवा और काजोल ने एक साथ अभिनय किया था। अब 27 साल बाद फिर से दोनों साथ में नजर आएंगे।

काजोल और प्रभु देवा के अलावा फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, संयुक्ता मेनन, जीशु सेनगुप्ता, आदित्य सील, प्रमोद पाठक और छाया कदम भी अहम रोल में हैं।

द राजा साहब की रिलीज डेट का नए पोस्टर के साथ हुआ ऐलान

प्रभास के फैंस के लिए खुशखबरी है। उनकी मच अवेटेड फिल्म द राजा साहब' को लेकर अब तक की सबसे बड़ी अपडेट सामने आई है। काफी दिनों से डिले हो रही फिल्म की अब अंततः रिलीज डेट सामने आ गई है। साथ ही फिल्म का टीजर कब जारी होगा, इसकी भी जानकारी मेकर्स ने शेयर की है।

मेकर्स ने द राजा साहब' की रिलीज डेट और फिल्म के टीजर की तारीख की घोषणा कर दी है। मेकर्स की ओर से सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फिल्म का एक नया पोस्टर जारी करते हुए फिल्म की रिलीज डेट और टीजर की तारीख का एलान किया गया है। फिल्म का नया पोस्टर जारी करते हुए मेकर्स ने जानकारी दी कि द राजा साहब इसी साल 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं इस मच अवेटेड हॉरर-कॉमेडी का टीजर 16 जून को दिन में 10 बजकर 52 मिनट पर लॉन्च किया जाएगा। मेकर्स की ओर से फिल्म के पोस्टर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया रिबेल फेस्टिवल की तारीखें, टीजर 16 जून और द राजा साहब दुनियाभर में रिलीज 5 दिसंबर को।

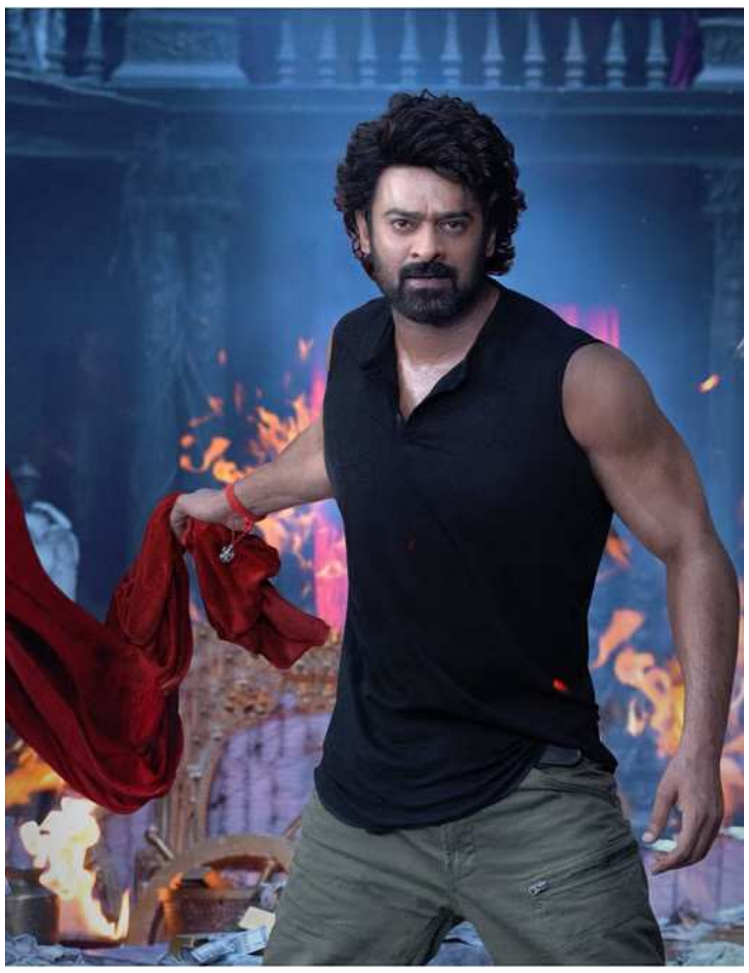

मारुति द्वारा निर्देशित द राजा साब' एक रोमांटिक हॉरर कॉमेडी है। फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाया गया है। फिल्म को पहले अप्रैल में रिलीज होना था, लेकिन वीएफएक्स और फाइनेंशियल कारणों से फिल्म आगे बढ़ गई। अब मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट जारी कर दी है। फिल्म में प्रभास के साथ मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल और रिधि कुमार भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

रक्षा परियोजनाओं में देरी टाइमलाइन

विनीत नारायण

भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने 29 मई, 2025 को नई दिल्ली में आयोजित एक सभा में रक्षा परियोजनाओं में देरी को लेकर महत्त्वपूर्ण बयान दिया। उन्होंने कहा, टाइमलाइन बड़ा मुद्दा है। मेरे विचार में एक भी परियोजना ऐसी नहीं है, जो समय पर पूरी हुई हो।

कई बार हम कॉन्ट्रैक्ट साइन करते समय जानते हैं कि यह सिस्टम समय पर नहीं आएगा। फिर भी हम कॉन्ट्रैक्ट साइन कर लेते हैं।' यह बयान भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता की दिशा में चल रही प्रक्रिया पर सवाल उठाता है।

एयर चीफ मार्शल सिंह ने अपने बयान में विशेष रूप से हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लि. द्वारा तेजस एमके1ए फाइटर जेट की डिलीवरी में देरी का उल्लेख किया। यह देरी 2021 में हस्ताक्षरित 48,000 करोड़ रुपये के कॉन्ट्रैक्ट का हिस्सा है, जिसमें 83 तेजस एमके1ए जेट्स की डिलीवरी मार्च, 2024 से शुरू होनी थी, लेकिन अभी तक एक भी विमान डिलीवर नहीं हुआ है। उन्होंने तेजस एमके 2 और उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) जैसे अन्य महत्त्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स में प्रोटोटाइप की कमी और देरी का भी जिक्र किया। यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत और पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिंदूर' के बाद, जिसे उन्होंने राष्ट्रीय जीत' करार दिया गया है, उनके बयान का महत्त्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि यह रक्षा क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

पहली बार नहीं है जब एचएएल की आलोचना हुई है। फरवरी, 2025 में एयरो इंडिया 2025 के दौरान एयर चीफ मार्शल सिंह ने एचएएल के प्रति अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा था, मुझे एचएएल पर भरोसा नहीं है, जो बहुत गलत बात है।' यह बयान एक अनौपचारिक बातचीत में रिकॉर्ड हुआ था, लेकिन इसने रक्षा उद्योग में गहरे मुद्दों को उजागर किया। रक्षा परियोजनाओं में देरी के कई कारण हैं, जिनमें से कुछ संरचनात्मक और कुछ प्रबंधन से संबंधित हैं। तेजस रूद्य1 की डिलीवरी में देरी का एक प्रमुख कारण जनरल इलेक्ट्रिक से इंजनों की धीमी आपूर्ति है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में समस्याएं विशेष रूप से 1998 के परमाणु परीक्षणों के बाद भारत पर लगे प्रतिबंधों ने एचएएल की उत्पादन क्षमता को प्रभावित किया है। सिंह ने एचएएल को मिशन मोड' में न होने के लिए आलोचना की। उन्होंने कहा कि एचएएल के भीतर लोग अपने-अपने साइलो में काम करते हैं, जिससे समग्र तस्वीर पर ध्यान नहीं दिया जाता। यह संगठनात्मक अक्षमता और समन्वय की कमी का संकेत है। सिंह ने इस बात पर भी जोर दिया कि कई बार कॉन्ट्रैक्ट साइन करते समय ही यह स्पष्ट होता है कि समय सीमा अवास्तविक है। फिर भी, कॉन्ट्रैक्ट साइन कर लिए जाते हैं, जिससे प्रक्रिया शुरू से ही खराब हो जाती है। यह एक गहरी सांस्कृतिक समस्या को दर्शाता है, जहां जवाबदेही की कमी है। हालांकि सरकार ने एएमसीए जैसे प्रोजेक्ट्स में निजी क्षेत्र की भागीदारी को मंजूरी दी है, लेकिन अभी तक रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र की भूमिका सीमित रही है। इससे एचएएल और डीआरडीओ जैसे सार्वजनिक उपक्रमों पर अत्यधिक निर्भरता बढ़ती है, जो अक्सर समय सीमा पूरी करने में विफल रहते हैं।

भारत की रक्षा खरीद प्रक्रिया जटिल और समय लेने वाली है। डिजाइन और विकास में देरी, जैसे कि तेजस एमके 2 और एएमसीए के प्रोटोटाइप की कमी, भी परियोजनाओं को और पीछे धकेलती है। रक्षा परियोजनाओं में देरी का भारतीय वायुसेना की परिचालन तत्परता पर गहरा प्रभाव पड़ता है। वर्तमान में भारतीय वायु सेना के पास 42.5 स्क्वाड्रनों की स्वीकृत ताकत के मुकाबले केवल 30 फाइटर स्क्वाड्रन हैं। तेजस एमके1ए जैसे स्वदेशी विमानों की देरी और पुराने मिग-21 स्क्वाड्रनों का डीकमीशनिंग इस कमी को और गंभीर बनाता है। देरी से रक्षा आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की प्रगति भी प्रभावित होती है।

सिंह ने कहा, हमें केवल भारत में उत्पादन की बात नहीं करनी चाहिए, बल्कि डिजाइन और विकास भी भारत में करना चाहिए।' देरी न केवल भारतीय वायुसेना की युद्ध क्षमता को कमजोर करती है, बल्कि रक्षा उद्योग में विश्वास को भी प्रभावित करती है। ऑपरेशन सिंदूर' जैसे हालिया सैन्य अभियानों ने स्पष्ट किया है कि आधुनिक युद्ध में हवाई शक्ति की महत्त्वपूर्ण भूमिका है, और इसके लिए समय पर डिलीवरी और तकनीकी उन्नति अनिवार्य है। एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह के बयान ने रक्षा क्षेत्र में सुधार की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित किया है। रक्षा कॉन्ट्रैक्ट्स में यथार्थवादी समय सीमाएं निर्धारित की जानी चाहिए। सिंह ने सुझाव दिया, हमें वही वादा करना चाहिए जो हम हासिल कर सकते हैं।'

इसके लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन करने से पहले गहन तकनीकी और लॉजिस्टिकल मूल्यांकन की आवश्यकता है। एएमसीए प्रोजेक्ट में निजी क्षेत्र की भागीदारी सकारात्मक कदम है। निजी कंपनियों को रक्षा उत्पादन में और अधिक शामिल करने से एचएएल पर निर्भरता कम होगी और प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। एचएएल और अन्य सार्वजनिक उपक्रमों को मिशन मोड' में काम करने के लिए संगठनात्मक सुधार करने चाहिए। इसके लिए समन्वय, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट और कर्मचारी प्रशिक्षण में सुधार की आवश्यकता है। इंजन और अन्य महत्त्वपूर्ण घटकों के लिए विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता को कम करने के लिए स्वदेशी विकास पर ध्यान देना होगा। रक्षा खरीद प्रक्रिया को सरल और तेज करने की आवश्यकता है ताकि अनावश्यक देरी से बचा जा सके।

एयर चीफ मार्शल सिंह का बयान रक्षा क्षेत्र में गहरी जड़ें जमाए बैठी समस्याओं को उजागर करता है। उनकी स्पष्टवादिता न केवल जवाबदेही की मांग करती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि भारत को आत्मनिर्भर और युद्ध के लिए तैयार रहने के लिए तत्काल सुधारों की आवश्यकता है। तेजस एमके1ए, एमके 2 और एएमसीए जैसे प्रोजेक्ट्स भारत की रक्षा क्षमता के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। इनमें देरी न केवल हमारी फौज की तत्परता को प्रभावित करती है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा को भी खतरे में डालती है। सरकार, रक्षा उद्योग और निजी क्षेत्र को मिल कर इन चुनौतियों का समाधान करना होगा ताकि भारत न केवल उत्पादन, बल्कि डिजाइन और विकास में भी आत्मनिर्भर बन सके। सिंह का यह बयान चेतावनी तो है ही, लेकिन साथ ही रक्षा क्षेत्र को सर्वश्रेष्ठ' करने की दिशा में एक अवसर भी है।

(लेख में विचार निजी हैं)

सू- दोकू क्र.71

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.70 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

बस्तर एलडब्लूई सूची से बाहर

छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले का नक्सल प्रभावित जिलों की सूची से हटना सिर्फ राज्य ही नहीं अपितु पूरे देश के लिए राहत की खबर है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मार्च, 2026 तक देश को नक्सली हिंसा से मुक्त कराने की घोषणा के बाद से ही सुरक्षा बल जी-जान से नक्सल विरोधी अभियान में जुटे हुए हैं। हाल में नक्सलियों के सबसे बड़े नेता बसव राज और सेंट्रल कमेटी नेता चलपति के मारे जाने के बाद से ही वामपंथी अतिवादी हलकों में पसरा सन्नाटा उनके हौसले टूटने का संकेत दे रहा है। यह छत्तीसगढ़ राज्य विशेषकर बस्तर क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है।

बस्तर न केवल एक जिला है, बल्कि संभाग भी है, जिसमें कुल 7 जिले शामिल हैं-ये हैं-बस्तर (मुख्यालय- जगदलपुर), कोंडागांव, दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर और बीजापुर (जो पूर्व में दंतेवाड़ा से अलग हुआ)। हालांकि बस्तर जिला अब एलडब्लूई सूची से बाहर हो चुका है, लेकिन बस्तर संभाग के अन्य कुछ जिले अब भी नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शामिल हैं। हालांकि नक्सल विरोधी अभियानों में सुरक्षा बलों को मिल रही सफलता इस पूरे क्षेत्र को मार्च, 2026 से काफी पहले ही वामपंथी अतिवादी हिंसा से मुक्त कराने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

आदिवासियों के जल, जमीन और जंगल पर हक की लड़ाई के नाम पर शुरू हुआ संघर्ष अतिवादी हिंसा में परिणत होकर रास्ता भटक चुका था। पिछले तीन-चार दशकों में इस हिंसा में भारी खूनखराबा हुआ है और इलाके का विकास कई दशक पीछे चला गया है। हिंसा में अब तक 2000 से अधिक ग्रामीण और सुरक्षा बलों के 1400 से अधिक जवान मारे जा चुके हैं। स्थानीय लोग हिंसा से आजिज आ चुके हैं। सुरक्षा बलों को अभियानों में मिल रही कामयाबी में स्थानीय लोगों का साथ मिलना काबिलेगौर तथ्य है।

सुरक्षा बलों में स्थानीय भाषा, संस्कृति और क्षेत्र के चप्पे-चप्पे के जानकार स्थानीय लोगों की भर्ती कारगर साबित हुई है जिसने माओवादियों के प्रचार अभियानों को भारी नुकसान पहुंचाया और उनके छिपने के ठिकानों की संख्या सीमित कर दी। सुरक्षा बलों को मिला तकनीक का साथ भी कारगर रहा।

सड़क और मोबाइल कनेक्टिविटी ने भी उल्लेखनीय काम किया है। नेतृत्व के अभाव में उनके कैडर में दिशाहीनता की स्थिति है। यह लाल आतंक से प्रभावित क्षेत्र के सिमटते जाने की निशानी है। उम्मीद है कि क्षेत्र में प्रगति और विकास कार्य के रास्ते खुलेंगे।(आरएनएस)

धनुष, नागार्जुन की फिल्म कुबेर का दूसरा एकल अनगनगा कधा जारी

धनुष और नागार्जुन अभिनीत कुबेर की टीम प्रचार की लहर को मजबूत बनाए हुए है, और नवीनतम रिलीज़, अनगनगा कधा, फिल्म के नैतिक सार की एक शक्तिशाली संगीतमय व्याख्या प्रस्तुत करती है। शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित सामाजिक थ्रिलर के लिए प्रत्याशा के रूप में, यह नया एकल फिल्म के सार को प्रकट करता है। यह वास्तव में एक भयावह संख्या है जो लालच, नैतिक पतन और इनके बीच फंसी नाजुक मानवता के विषयों के साथ गहराई से प्रतिध्वनित होती है।

रॉकस्टार देवी श्री प्रसाद द्वारा रचित, जो अपने चार्टबस्टर मास नंबर के लिए जाने जाते हैं, अनगनगा कढ़ा एक जानबूझकर बदलाव और एक प्रयोगात्मक, आत्मा को झकझोर देने वाला साउंडस्केप है जो उनकी सिग्नेचर स्टाइल से अलग है।

गीतकार चंद्रबोस ने ऐसी पंक्तियाँ कही हैं जो गहरी चोट पहुँचाती हैं, आर्थिक असंतुलन और पैसे के भ्रष्ट प्रभाव जैसे भारी मुद्दों से निपटने के लिए गहन शब्दों का उपयोग करती हैं। यह गीत एक नैतिक कम्पास के रूप में कार्य करता है, जो दर्शकों को उस भावनात्मक क्षेत्र में ले जाता है जिसे फिल्म तलाशने का लक्ष्य रखती है। हाइड कार्टी और करीमउल्लाह के स्वर ट्रैक में बहुत ऊर्जा भर देते हैं। उनका दमदार गायन ट्रैक को दूसरे स्तर पर ले जाता है।

धनुष और नागार्जुन अलग-अलग अवतारों में नज़र आते हैं, उनके विपरीत भाव विपरीत विचारधाराओं या जीवन पथों की ओर इशारा करते हैं। उनके अभिनय में स्पष्ट भावनात्मक भार है, यहाँ तक कि कुछ अंशों में भी, जो धन और पद के प्रति आसक्त समाज के दबावों द्वारा आकार लिए गए जटिल चरित्रों का सुझाव देते हैं।

रश्मिका मंदाना फीमेल लीड हैं, जबकि जिम सर्भ अहम भूमिका में नजर आएंगे। श्री वेंकटेश्वर सिनेमा एलएलपी और एमिगोस क्रिएशंस प्राइवेट लिमिटेड के तहत सुनील नारंग और पुष्कर राम मोहन राव द्वारा निर्मित यह फिल्म 20 जून को सिनेमाघरों में आ रही है।(आरएनएस)

सोशल मीडिया पर मशहूर होने के शौक ने युवकों को पहुंचाया थाने

संवाददाता

देहरादून। सोशल मीडिया में मशहूर होने के शौक के चलते रैश ड्राईविंग व स्टंट कर अपलोड करने वाले दो युवकों को पुलिस ने पकड वाहनों को सीज कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आईडी से काले रंग के थार वाहनों से रैश ड्राइविंग, वाहन के शीशों पर काली फिल्म लगाकर स्टंट ड्राइविंग किये जाने की रीलें लगातार वायरल हो रही थी। उक्त थार गाड़ी में आगे गाड़ी का नम्बर नहीं था और पीछे लगी नम्बर प्लेट पर गाडी का नंबर लिखा था। उक्त वायरल रील्स का स्वत: संज्ञान लेते हुए एसएसपी देहरादून द्वारा वाहन के चालक के विरूद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिये गये। उक्त निर्देशों के क्रम में पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये उक्त वाहन के रजिस्ट्रेशन नंबर से वाहन स्वामी के विषय में जानकारी की गई तो वाहन का जमालुद्दीन पुत्र नूरुद्दीन निवासी मित्र लोक कॉलोनी के नाम पर रजिस्टर्ड होना प्रकाश में आया। बिंदाल क्षेत्र में चैकिंग के दौरान चालक अयान से वाहन के कागज मांगे गये तो अयान वाहन के सम्बन्ध में कोई कागज व अपना ड्राइविंग लाइसेंस प्रस्तुत नही कर पाया। जिस पर पुलिस टीम द्वारा उक्त वाहन चालक के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही करते हुये वाहन को सीज किया गया। इसके अतिरिक्त उसके साथ ही चल रही एक अन्य थार जिसमें उसका मित्र चला रहा था, जिसके शीशों पर भी काली फिल्म चढी हुई थी को भी चैक किया गया तो उसके चालक हर्ष द्वारा भी वाहन के कागज नहीं दिखाने,नियमों का उल्लंघन करने पर उक्त वाहन को भी सीज किया गया।

पूछताछ में अयान द्वारा बताया गया कि हर्ष उसका दोस्त है। अयान तथा हर्ष सोशल मीडिया पर फालोवर्स की संख्या बढाकर मशहूर होना चाहते थे। जिस कारण अयान व हर्ष दोनों थार वाहन से रैश ड्राइविंग तथा स्टंट ड्राइविंग करते हुए शूट करवाकर सोशल मीडिया पर अपलोड किया करते है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर स्वास्थ्य व सूचना विभाग की ओर से पत्रकारों व उनके परिजनों के लिए नि:शुल्क विशेष स्वास्थ्य सुरक्षा कैम्प में स्वास्थ्य की जांच कराते पत्रकार।

14 मूकबधिर अनाथ बालिकाओं को मिला...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

था। इससे क्षुब्ध होकर डीएम ने सख्त नाराजगी जाहिर करते हुए सभी तथ्यों पर 10 बिंदुओं पर जांच करने हेतु उच्च स्तरीय समिति बिठाई है। समिति निर्धारित समयावधि में अपनी जांच आख्या प्रस्तुत करने के कड़े निर्देश दिए हैं मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर संस्थाओं का पंजीकरण निरस्त कर दिया जाएगा। वहीं डीएम ने समाज कल्याण अधिकारी एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी को अधिकारियों का पाठ पढाते हुए कहा कि महज हस्ताक्षर, संस्तुति देने तक ही सीमित न रहे अपने अधिकारियों को पहचाने तथा मानव कल्याण को सख्त एक्शन लेने के निर्देश दिए थे। उन्होंने कडेध शब्दों में कहा कि दिव्यांग असहायों का शोषण व अधिकारों का हनन बर्दाश्त नही किया जाएगा ऐसा करने वालों के विरूद्ध सख्त एक्शन लिया जाएगा। ज्ञातब्य है कि यह संस्थाए दिव्यांग असहायों के कल्याण, शिक्षा एवं उपचार के नाम पर राज्य एवं केन्द्र सरकार सहित विदेशी फंडिंग प्राप्त करती है, जो संसाधन, चिक्सिक, टीचर्स, विशेषज्ञ, मानवश्रम, स्टॉफ आदि पंजीकरण के दौरान अभिलेखों में दर्शाए जाते हैं वह मौके पर नही होते तथा बच्चों की जो संख्या बताई जाती है वह नही होती है। बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती नमिता ममंगाई, पियो लाल राफैल होम, संदस्य नीतू कांडपाल, जिला समाज कल्याण अधिकारी दीपांकर घिल्डियाल, जिला प्रोबेशन अधिकारी मीना बिष्ट सहित साई आश्रम के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

वृक्षों के अवैध कटान पर इंटक ने प्रमुख वन संरक्षक को दिया ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। वृक्षों के अवैध कटान के विरोध में युवा इंटक के प्रदेश अध्यक्ष पंकज क्षेत्री ने प्रमुख वन संरक्षक डॉ. ध नंजय मोहन से मिलकर उनको ज्ञापन दिया।

आज यहां युवा इंटक के प्रदेश अध्यक्ष पंकज सिंह क्षेत्री एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता कांग्रेस श्रीमती सुजाता पॉल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल प्रमुख वन संरक्षक उत्तराखंड डॉ. धनंजय मोहन से मिला और खलंगा क्षेत्र में भूमाफियाओं द्वारा वन अतिक्रमण एवं वृक्ष कटान को लेकर ज्ञापन दिया। ज्ञापन में उल्लेखित किया कि विगत दिनों उक्त क्षेत्र में भूमाफियाओं द्वारा वर्षाजन्य प्रजाति साल के कई वृक्ष अवैध रूप से काटे गए हैं। यह कार्य न केवल पर्यावरण संरक्षण कानूनों का घोर उल्लंघन है, बल्कि वन विभाग की निष्क्रियता एवं लापरवाही का भी द्योतक है। युवा इंटक प्रदेश अध्यक्ष पंकज सिंह क्षेत्री ने कहा कि यह अत्यंत चिंताजनक है कि वृक्षों की इस अवैध कटाई की जानकारी विभाग को तब हुई। जब स्थानीय पत्रकार रोहित वर्मा एवं उनकी पत्नी श्रीमती दीपशिखा रावत वर्मा ने इस विषय पर सोशल मीडिया के माध्यम से तथ्य उजागर किए। इसके पश्चात विभाग द्वारा स्थल पर कार्यवाही करते हुए अतिक्रमण की सामग्री जब्त की गई एवं अशोक अग्रवाल नामक व्यक्ति के विरुद्ध वन अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत किया गया। प्रस्तुत प्रकरण अत्यंत गंभीर है और इसकी निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच अति आवश्यक है। प्रतिनिधि मंडल ने चार सूत्रीय मांग की कि एक स्वतंत्र एवं उच्चस्तरीय जांच समिति गठित कर प्रकरण की व्यापक जांच कराई जाए। रायपुर रेंज के वन अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उक्त जांच प्रक्रिया से पृथक रखा जाए ताकि निष्पक्षता बनी रहे। प्रथम दृष्टया दोषी प्रतीत होने वाले वन कर्मियों के विरुद्ध निलंबन एवं विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। सॅलिप्त भूमाफियाओं के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमती सुजाता पॉल ने कहा कि वन संपदा की रक्षा एवं राज्य के पर्यावरणीय संतुलन के लिए यह आवश्यक है कि दोषियों को बख्शा न जाए और इस मामले में उदाहरणीय कार्रवाई हो। प्रतिनिधि मंडल में खलंगा वन अतिक्रमण के खिलाफ अपने वीडियो के माध्यम से विरोध की शुरुआत करने वाली दीपशिखा रावत, रोहित वर्मा, कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुजाता पॉल, युवा इंटक उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष पंकज सिंह क्षेत्री, कैंट ब्लॉक अध्यक्ष विकास राज थापा, नवीन चौधरी, कुणाल कुमार आदि शामिल रहे।

गश्त के दौरान कार ने मारी टक्कर, एक की मौत, दूसरा गंभीर घायल

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। ड्यूटी पर तैनात दो सुरक्षा कर्मियों को एक तेज रफ्तार स्कार्पियो ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में अकोला गांव निवासी पीआरडी जवान धनपाल की मौके पर मौत हो गई, जबकि होमगार्ड प्रदीप गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना मंगलौर कोतवाली क्षेत्र के नारसन के पास आज सुबह घटित हुई। जानकारी के अनुसार पीआरडी जवान और होमगार्ड बाइक से गश्त पर थे। नारसन के पास स्कॉर्पियो कार ने उनकी बाइक को तेजी से टक्कर मार दी, जिससे धनपाल की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। वहीं प्रदीप गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी हालत को गंभीर देखते हुए उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने स्कॉर्पियो और बाइक को कब्जे में लिया। पुलिस ने मृतक धनपाल का शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खलंगा मामले में संयुक्त नागरिक संगठन ने डीएम का सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

देहराादून। खलंगा रिजर्व फॉरेस्ट के हल्दुआम में अवैध रूप से कैपिंग साइट बनाने वालों के खिलाफ कार्यवाही की मांग को लेकर संयुक्त नागरिक संगठन ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

आज यहां खलगां रिजर्व फॉरेस्ट के हल्दुआम में अवैध रूप से कैंपिंग साइट बनाने हेतु जिम्मेदार अशोक अग्रवाल अनिल कुमार के भू स्वामित्व से संबंधित अभिलेखों खसरा खतौनी, लीज डीड, विक्रय पत्रों, पूर्व में हुई समस्त रजिस्ट्रियों का पूरा इतिहास खंगाल कर राजस्व विभाग द्वारा विस्तृत जांच कराए जाने की मांग को लेकर संयुक्त नागरिक संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने उपजिलाधिकारी के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया। ज्ञापन के माध्यम से इन्होंने जांचोपरांत भूखंड में अवैध निर्माण पाए जाने पर कठोर कदम उठाने की मांग की। इन्होंने जिलाधिकारी द्वारा भूमाफियाओं की 900 बीघा जमीन को सरकार में निहित करने के फैसले को प्रशंसनीय कदम बताया। इनका कहना था कि राज्य में दून के अलावा अन्य 12 जनपदों से ऐसी कर कठोर कार्रवाई की सूचना नहीं मिली है। अन्य जिलाधिकारियो को भी ऐसे कदम उठाने के लिए शासन से निर्देश जारी होना जनहित में होगा। इन्होंने आशा व्यक्त की कि जिलाधिकारी प्रकरण में कठोर कदम उठाएंगे। बाद में यह प्रतिनिधि मंडल वन विभाग के मुख्यालय में प्रमुख वन संरक्षक से मिला। संगठन की ओर से दिए ज्ञापन में खलगां रिजर्व फॉरेस्ट में अवैध रूप से पेड़ों के कटान, निर्माण कार्य के प्रयासों की उच्च स्तर से निष्पक्ष जांच होनी जरूरी है। प्रमुख वन संरक्षक हॉफ डॉक्टर धनंजय मोहन ने कहा की इस प्रकरण की जांच गढ़वाल मंडल के अपर प्रमुख वन संरक्षक को दी जा रही है। आरोपो की जांचोपरांत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस आश्वासन पर शिष्टमंडल द्वारा आभार व्यक करते हुए इसे सकारात्मक कदम बताया गया। शिष्टमंडल में संजीव श्रीवास्तव, नरेश चंद्र कुलाश्री, मुकेश नारायण शर्मा, प्रदीप कुकरेती, प्रकाश नागिया, शक्ति प्रसाद डिमरी आदि उपस्थित थे।

नदां देवी राजजात यात्रा की सभी तैयारियों में तेजी लाई जाए:धामी

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड में 2026 में होने वाली नदां देवी राजजात यात्रा की सभी तैयारियों में तेजी लाई जाए। भव्य नंदा राजजात यात्रा के आयोजन के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। यात्रा की बेहतर व्यवस्थाओं के लिए जन प्रतिनिधियों, नंदा राजजात यात्रा समिति के सदस्यों और हितधारकों के सुझाव लिये जाएं। ये निर्देश मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को वर्चुअल बैठक के दौरान अधिकारियों को दिये।

मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को निर्देश दिये कि नंदा राजजात यात्रा के सफल संचालन के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जाए। पिछली यात्राओं के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए। यात्रा से संबंधित सभी पैदल मार्गों की अच्छी व्यवस्थाओं के साथ स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। यात्रा के पड़ाव पर श्रद्धालुओं को ठहरने की बेहतर व्यवस्थाओं के साथ ही भोजन और स्नान घरों की व्यवस्था के भी उन्होंने निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। यात्रा के दौरान उच्च हिमालयी क्षेत्रों में विभिन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जाए। यात्रा मार्ग पर दूरसंचार की व्यवस्थाओं के साथ डिजिटल ट्रेकिंग सिस्टम बनाया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा के दृष्टिगत यात्रा के दौरान हेल्पलाईन नंबर जारी किया जाए। यात्रा के दौरान स्वास्थ्य सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। मेडिकल कैंप और चिकित्सकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। यात्रा के दौरान हेली एम्बुलेंस की व्यवस्था भी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि नंदा राजजात यात्रा बरसात के समय होती है, इसके दृष्टिगत संक्रामक रोगों से बचाव के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किये जाएं। यात्रा के अधिकतम पड़ाव वन क्षेत्र में होने के कारण वन और पर्यावरण की सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखा जाए। श्रद्धालुओं के लिए टेंट की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि नंदा राजजात से संबंधित लोक गीत और लोक कथाओं का अभिलेखीकरण भी किया जाए। पर्यटन विभाग द्वारा यात्रा के पड़ावों का व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार भी किया जाए।

●यात्रियों की सुरक्षा के दृष्टिगत हेल्पलाईन नंबर किया जायेगा जारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि नदां राजजात यात्रा के दौरान भीड़ प्रबंधन और यातायात सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जाए। पार्किंग स्थलों पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। यात्रा मार्गों पर पेयजल, शौचालय अवं अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने मुख्य सचिव को निर्देश दिये कि वे प्रतिमाह नदां राजजात यात्रा की तैयारियों की समीक्षा करें। गढ़वाल और कुमांऊ आयुक्त भी प्रत्येक सप्ताह यात्रा से संबंधित तैयारियों की समीक्षा करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गढ़वाल और कुमांऊ के जिन क्षेत्रों से श्रद्धालु और डोलियां आती हैं, उन सभी क्षेत्रों में भी सड़क, पेयजल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए।

उत्तराखण्ड में अगले साल होने वाली 280 किमी की ऐतिहासिक नदां देवी राजजात यात्रा के भव्य आयोजन और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही है। 2027 में हरिद्वार में होने कुंभ के लिए भी सभी तैयारियां की जा रही हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में नदां देवी राजजात और हरिद्वार कुंभ का भव्य और दिव्य आयोजन किया जायेगा- पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड।

बैठक में राज्यसभा सांसद श्री महेन्द्र भट्ट, विधायक श्री बंशीधर भगत, श्री अनिल नौटियाल, श्री भूपाल राम टम्टा, श्री सुरेश गड़िया, श्रीमती पार्वती दास, डॉ. मोहन सिंह बिष्ट, मुख्य सचिव श्री आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव श्री आर.के. सुधांशु, डीजीपी श्री दीपम सेठ, सचिव श्री शैलेश बगोली, श्री सचिन कुर्वे, गढ़वाल आयुक्त श्री विनय शंकर पाण्डेय, आईजी गढ़वाल श्री राजीव स्वरूप, स्थानिक आयुक्त श्री अजय मिश्रा एवं संबंधित जिलाधिकारी उपस्थित थे।

नाबालिग बालिका के अपहरण मामले में पिता गिरफ्तार, बेटा फरार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नाबालिग बालिका के अपहरण मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस ने अपहणकर्ता के पिता को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि मामले में उसका अपहरणकर्ता बेटा फरार है जिसकी तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार बीते 15 जून को ज्वालापुर निवासी एक व्यक्ति द्वारा कोतवाली ज्वालापुर में तहरीर देकर बताया गया था कि आकाश व उसके पिता ने उनकी 14 वर्षीय नाबालिक बेटी की साजिश रचकर अपहरण कर लिया गया है। मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गयी है। नाबालिक बच्ची के अपहरण से जुड़े इस गंभीर मसले पर कार्यवाही के लिए जुटी पुलिस टीम ने नामजद आरोपी गोपाल प्रसाद को घटना में षड्यंत्र कर भागने में सहयोग करने के संबंध में हिरासत में लिया गया। आवश्यक कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। वहीं अब पुलिस टीम अपहरण के मुख्य आरोपी आकाश एवं नाबालिग बालिका की तलाश में जुटी हुई हैं।

हेलीकॉप्टरों ने आज नहीं भरी कोई उड़ान

विशेष संवाददाता

❑चार जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट
❑चार धाम यात्रियों से सतर्क रहने की अपील

रुद्रप्रयाग। गौरीकुंड के जंगलों में हेलीकॉप्टर क्रैश की घटना के बाद 2 दिन तक रोकी गई हेली सर्विस हालांकि आज शुरू कर दी गई लेकिन खराब मौसम के कारण चार धाम हेली मार्गों पर आज एक भी हेलीकाप्टर उड़ान नहीं भर सका।

मौसम विभाग द्वारा बीते कल अगले 48 घंटो के लिए जारी फोरकास्ट में उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग तथा चमोली व बागेश्वर तथा नैनीताल के लिए भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया था। भले ही कल इन सभी जनपदों में मौसम ज्यादा खराब न रहा हो लेकिन फिर एक बार मौसम विभाग द्वारा अलर्ट जारी करते हुए इन सभी चार जिलों में तेज आंधी तूफान के साथ भारी बारिश का अलर्ट जारी किए जाने के बाद हेली उड़ानों को रोक दिया गया है। आज सुबह से ही मौसम खराब होने के कारण सभी चारों धामों के लिए एक भी हेलीकाप्टर ने उड़ान नहीं भरी है।

मौसम विभाग के निदेशक डॉ विक्रम सिंह का कहना है कि राज्य में इस दौरान भारी बारिश के साथ ओलावृष्टि और तेज हवाएं चल सकती हैं। उन्होंने सभी चार धाम यात्रियों से सतर्कता बरतने तथा यात्रा न करने की सलाह देते हुए कहा है कि यात्रियों को नदी नाले और गधेरे से दूरी बनाकर रखने की जरूरत है यात्री किसी तरह का रिस्क न ले। उनका कहना है कि इस दौरान राजधानी देहरादून पिथौरागढ़ व अल्मोड़ा तथा बागेश्वर जिले में बारिश होने की उम्मीद है आने वाले कुछ दिनों तक राज्य में ऐसा ही मौसम बना रहेगा।

उल्लेखनीय है कि चार धाम यात्रा में संचालित होने वाली हेली सेवाएं आगामी 22 जून तक ही संचालित होगी। मानसून की सक्रियता के कारण इन्हें इसके बाद बंद कर दिया जाएगा जो अक्टूबर में पुनः शुरू की जाएगी। हेली दुर्घटनाओं के मद्देनजर भी अब अतिरिक्त सतर्कता बढ़ती जा रही है।

विजनिंग अभ्यास सभी सरकारी विभागों के लिए मुख्य प्राथमिकता होनी चाहिए: सीएस

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन एवं सेतु आयोग के सीईओ शत्रुघ्न सिंह ने विकसित उत्तराखण्ड विजन 2047 कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में प्रतिभाग किया। कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने कहा कि विजनिंग अभ्यास सभी सरकारी विभागों के लिए मुख्य प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह वर्तमान के लिए एक योजना नहीं है, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक निवेश है। उन्होंने दीर्घकालिक नीति को आकार देने और लागू करने में सरकारी अधिकारियों की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि सेतु आयोग, यूएनडीपी के साथ मिलकर इसके परिभाषित मापदंडों और मापने योग्य परिणामों को महत्त्वपूर्ण ढांचा प्रदान करेगा। सेतु आयोग के सीईओ शत्रुघ्न सिंह ने एक व्यापक आर्थिक परिप्रेक्ष्य पेश किया। उन्होंने पूंजी निवेश, वैश्विक तकनीकी अपनाने और समावेशी विकास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे उत्तराखण्ड के निम्न-मध्यम आय वाले राज्य से उच्च आय वाले राज्य में परिवर्तन की कुंजी बताया।

इस अवसर पर सचिव नियोजन डॉ. श्रीधर बाबू अद्दांकी ने विजनिंग अभ्यास के दौरान प्रतिभागियों की चर्चाओं को मार्गदर्शन और प्रोत्साहित करने के लिए मुख्य क्षेत्रों में विभिन्न बेंचमार्क प्रस्तुत किए। यूएनडीपी के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य वर्ष 2047 तक प्रदेश को विकसित करने के लिए क्रॉस-सेक्टोरल कार्य समूहों द्वारा चिन्हित 218 से अधिक "सिग्नल्स - उभरते संकेतक और रुझान" को संरचना और प्राथमिकता निर्धारित करना था। ये सिग्नल्स जलवायु परिवर्तन, बुनियादी ढांचा विकास, अर्थव्यवस्था और रोजगार, स्थानीय स्व-शासन को सशक्त बनाने, वित्त, सुरक्षा, शांति और न्याय जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को कवर करते हैं, जो एक व्यापक और दूरदर्शी दृष्टिकोण को दर्शाते हैं।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।